वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 353 | शनिवार 22 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आपसी समझाइश के जरिए लंबित प्रकरणों का करें समाधानः राजस्व मंत्री

राजस्व मंत्री ने विभिन्न मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार करने वाले कार्मिकों से जनहित में अपने निर्णय पर पुनर्विचार की अपील की। उन्होंने कहा कि इन कार्मिकों की अधिकांश मांगें मान ली गई हैं तथा शेष मुद्दों पर जिला कलेक्टरों को इन कार्मिकों से वार्ता कर अभियान को सफल बनाने का प्रयास करना चाहिए।

जयपुर. कासं

प्रशासन गांवों के संग अभियान-2023 की समीक्षा - शिविरों की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टरों से फीडबैक - राजस्व कार्मिक जनहित में कार्य बहिष्कार के निर्णय पर करें पुनर्विचार जयपुर, 21 अप्रैल। राजस्व मंत्री श्री रामलाल जाट ने 24 अप्रैल से शुरू होने जा रहे प्रशासन गांवों के संग अभियान-2023 को लेकर शुक्रवार को शासन सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जिला कलेक्टरों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। राजस्व मंत्री ने कहा कि शिविरों में आपसी समझाइश से निपटाए जा सकने वाले राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निपटाया जाए। राजस्व मंत्री ने विभिन्न मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार करने वाले कार्मिकों से जनहित में अपने निर्णय पर पुनर्विचार की अपील की। उन्होंने कहा कि इन कार्मिकों की अधिकांश मांगें मान ली गई हैं तथा शेष मुद्दों पर जिला कलेक्टरों को इन कार्मिकों से वार्ता कर अभियान को सफल बनाने का प्रयास करना चाहिए। राजस्व मंत्री ने कहा कि जिला कलेक्टरों को इन कैंपों में स्वयं जाकर गंभीर प्रकृति के मामलों को निपटाने का प्रयास करना चाहिए।

रास्ते के विवादों को करें दूर

राजस्व मंत्री ने छितराई हुई जमीन पर बने मकानों का पट्टा जारी करने के दौरान बीच की खाली भूमि को सुविधा क्षेत्र के रूप में चिन्हित करने के निर्देश दिए ताकि कॉलोनी के नियमन में परेशानी नहीं हो। उन्होंने रास्ते के विवादों को निपटाने पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए और कहा कि ऐसे मामलों में तहसीलदार यदि स्वयं जाकर मौका देख लेंगे तो स्थगन लेने की गुंजाइश कम हो जाएगी और मामले जल्द सुलझ जाएंगे। इसी प्रकार राजस्व मंत्री ने चारागाह भूमि से जुड़े प्रकरणों को चारागाह पॉलिसी के अनुसार निपटाकर आमजन को राहत देने के निर्देश दिए।

भू आवंटन में संकोच न करें

समीक्षा बैठक में जमीन के बदले जमीन के अंतर्गत मामलों को तेजी से निस्तारित करने पर चर्चा की गई। राजस्व मंत्री ने कहा कि नियमानुसार भू-आवंटन करने में अधिकारियों को संकोच नहीं करना चाहिए। भू-आवंटन समिति के दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए निर्धारित मापदंडों के आधार पर पट्टा जारी करने में झिझकने की आवश्यकता नहीं है।

शिविरों के सुचारू आयोजन में कार्मिकों की न रहे कमी

समीक्षा बैठक के दौरान राजस्व मंत्री ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां कहीं भी कार्मिकों की कमी है, वहां स्थानांतरण के माध्यम से अविलंब व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद पहले भी प्रशासन गांवों के संग अभियान ने सफलता के नये आयाम रचे हैं। इस बार भी इन्हें पूरी तरह सफल बनाना है। राजस्व मंत्री ने निर्देश दिए कि विभिन्न धर्मों के अंतिम संस्कार स्थल हर गांव में होने चाहिएं। शिविर में इसकी मांग होने पर संवेदनशीलता के साथ विचार करें।

जयपुर में 21 हजार परिंडे बांधने का रखा लक्ष्य

रावत ग्रुप और अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के साथ स्टूडेंट्स लगा रहे परिंडे, सेव अर्थ रैली निकाली

जयपुर. कासं। रावत पब्लिक स्कूल प्रताप नगर में रावत एजुकेशनल ग्रुप और अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयोजित परिंदों के लिए परिंडा अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर सेव अर्थ रैली निकाली गई। रैली का प्रारंभ रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन और अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष बीएस रावत ने हरी झंडी दिखा कर किया। रैली में विद्यालय के लगभग 700 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। रैली में विद्यार्थियों ने पर्यावरण और परिंदो के लिए विभिन्न स्लोगन भी बोले जो कि उनके ही जरिए तैयार किए गए थे। रैली के मध्यांतर में महाराणा प्रताप सर्किल पर विद्यार्थियो ने परिंडे बांधने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने की शपथ ली। अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों और विद्यार्थियो की ओर से पहले दिन 500 से अधिक परिंडे बांधे गए।

राइट टू हेल्थ बिल के बाद नया विवाद

डॉक्टर्स बोले घर पर मरीजों को देखने की फीस दोगुना करो, वरना काम बंद, काली पट्टी बांधकर किया काम

जयपुर. कासं। राइट टू हेल्थ का विवाद अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब मेडिकल टीचर्स ने सरकार के सामने नई मांग रखते हुए विरोध शुरू कर दिया है। सरकारी डॉक्टर्स घर पर पेशेंट को देखने की फीस दोगुना करना चाहते हैं। यहां तक कि वे निजी अस्पतालों में ऑपरेशन की भी अनुमति चाह रहे हैं। इन दो मांगों के चलते ज्वाइंट एक्शन कमेटी के आह्वान पर सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज की फैकल्टी ने शुक्रवार को काली पट्टी बांधकर सरकार का ध्यानाकर्षण कराया है। साथ ही चेतावनी भी दी है कि यदि सांकेतिक आंदोलन से बात नहीं बनी तो वे फिर से कार्य बहिष्कार करेंगे।

गुरुदेव के बढ़ते कदम सीकर की ओर...

दांता में हुआ भव्य मंगल प्रवेश, सांयकाल पहुँचे रूपगढ़

सीकर. शाबाश इंडिया। आगामी 29 अप्रैल से प्रारम्भ हो रहे पांच दिवसीय पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में अपना सानिध्य प्रदान करने परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विवेक सागर जी महाराज, ससंघ का मंगल विहार धर्मनगरी सीकर की ओर चल रहा है। प्रचार मंत्री विवेक पाटोदी व महोत्सव के कोषाध्यक्ष पंकज पाटनी ने बताया कि शुक्रवार को प्रातःकाल कुली से दांता की ओर ससंघ का मंगल विहार हुआ। दांता जैन समाज द्वारा गुरुदेव के आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। सीकर से प्रातःकाल विहार में समाज के पदम सेठी, राजेश मानजिका, विकास लुहाड़िया सुनील पहाड़िया, दीपक संगही, अजय छाबड़ा सेसम व सांयकाल विहार में प्रियंक गंगवाल, प्रदीप सेठी श्रीमाधोपुर, नरेश छाबड़ा, अमित गंगवाल, जयप्रकाश काला लालास, संतोष बिनायक्या किरडोली, अभिनव सेठी, मनोज पाटोदी झीगर, अजीत पाटनी सहित अन्य श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

महावीर पब्लिक विद्यालय में मनाया गया 'पृथ्वी दिवस'

जयपुर. शाबाश इंडिया। 22 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय 'पृथ्वी दिवस' महावीर पब्लिक विद्यालय में मनाया गया। छपरा माही सोनी ने पृथ्वी पर लगातार हो रहे खनन, वृक्षों की कटाई, बढ़ते प्रदूषण, बढ़ती जनसंख्या, एक के बाद एक बन रही बड़ी-बड़ी इमारतों आदि विषयों को 'वन मत काटो रे भैया' कविता के माध्यम से स्पष्ट किया। छात्रों को पृथ्वी पर स्वच्छता रखने, शुद्ध पर्यावरण रखने आदि विषयों से संबंधित प्रतिज्ञा दिलवाई। छात्रों ने विद्यालय प्रांगण की सफाई की और पर्यावरण को साफ रखने का संदेश दिया। इसे साथ बच्चो ने पृथ्वी दिवस पर पोस्टर बनाये। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने दूषित पर्यावरण व संकुचित हो रहे प्राकृतिक संसाधनों पर चिंता व्यक्त करते हुए 'पृथ्वी बचाओ जीवन बचाओ' का संदेश दिया।

बे सहारा बुजुर्गों का 'श्रवण' नाम है 'राज कुमार बूलियां'

शहर का एकमात्र वृद्धाश्रम(आश्रय) 'जहां घर जैसा माहौल' : सुशील चौहान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। किसी को घर वालों ने नकारा तो किसी को संभालने वाले नहीं रहे। किसी की हालत नहीं तो किसी की हिम्मत नहीं। परिस्थिति कैसी भी हो लेकिन कोई भी बुजुर्ग खुद को बे सहारा नहीं समझ सकता। क्यों कि उन्हें संभालने यानी सेवा करने के लिए मानो उपर वाले ने ही जिसे भेजा है उनका नाम है राजकुमार बूलियां जिन्होंने ऊं शांति सेवा संस्थान के माध्यम से यह अलख जगा रखी है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि हरणी महादेव मंगरोप रोड स्थित ऊं शांति सेवा संस्थान जिसका नाम आश्रय। वो एक दिन बेसहारा वृद्धजनों का सहारा बनेगा। इस कार्य को मूर्तरूप देने का बीड़ा उठाया राज कुमार बुलियां व कुछ लोगों ने। बस मन में एक भावना जागी और परिकल्पना फलीभूत हो गई वृद्धाश्रम के रूप में। जो कई ऐसे लोगों का आश्रय बन गया, जिनके जीवन का कोई सहारा नहीं हैं। वर्ष 2007 में आश्रय की नींव डाली और देखते ही देखते आज वृद्धाश्रम ने पूरे जिले में अपनी एक पहचान बनाई। पूरे भवन में 30 कमरे मय शौचालय, स्नान घर, रसोईघर हैं। जहां बुजुर्गों को एसी भोजनशाला में सम्मान के साथ भोजन कराया जाता हैं। वृद्धाश्रम की शुरूआत सुबह गणेश मंदिर में पूजा अर्चना से होती हैं। जहां वृद्धाश्रम में रहने वाले लगभग चालीस लोग जिनमें महिला व पुरुष स्नान करआरती करते हैं। जिससे वृद्धाश्रम का माहौल भक्ति मय हो जाता हैं। इसके साथ ही वृद्धाश्रम की दिनचर्या शुरू होती हैं।

दिगंबर जैन चेत्यालय बापू नगर में आज अक्षय तृतीया मनाई जाएगी

जयपुर. कासं। दिगंबर जैन बापूनगर संभाग के मंत्री डॉक्टर राजेंद्र जैन ने बताया कि संभाग द्वारा जैन धर्म के प्रवर्तक व प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के प्रथम आहार दिवस अक्षया तृतीया के पावन अवसर पर श्री दिगंबर चेत्यालय , गणेश मार्ग, बापूनगर पर आने वाले सभी दर्शनार्थियों को प्रातः 8 से 10 बजे तक ईक्षु रस पिलाया जायेगा ।प्रातः अभिषेक , शांति धारा तथा कुंडलपुर विधान का आयोजन किया जायेगा।

दिगम्बर जैन संत आचार्य नयन सागर महाराज पहुँचे राजगढ़ धाम

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। अजमेर जिले के सुप्रसिद्ध सर्वधर्म धार्मिक स्थल श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर दिगम्बर जैन सन्त आचार्य नयन सागर महाराज ब्यावर से विहार कर जयपुर की और जाते समय रात्री विश्राम राजगढ़ में किया। प्रातःकाल राजगढ़ में पहुँच कर चम्पालाल महाराज के निवास पर मंत्रोच्चार किया वही पूरे परिवार ने आचार्य नयन सागर महाराज से आशिर्वाद प्राप्त किया। नयन सागर महाराज ने बताया कि राजगढ़ धाम की महिमा के बारे में काफी सुना था लेकिन जैसा सुना उससे ज्यादा देखने को मिला। महाराज ने चम्पालाल महाराज द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यो के लिये प्रशंसा भी करी। नयन सागर महाराज धाम पर कुछ देर रूकने के बाद वापस जयपुर की और विहार के लिये रवाना हो गये। धाम पर रमेश सेन, अविनाश सेन, राहुल सेन, ताराचन्द सेन, प्रकाश रांका, दिलीप राठी, सुनिल रांका, तिलक सिंह, रामनिवास आदि मौजूद रहे।

लीनेस क्लब स्वरा का रजवाड़ी क्वीन कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। लीनेस क्लब स्वरा जयपुर द्वारा रजवाड़ी क्वीन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एग्रो केयर डायरेक्टर अंजू जैन ने की एवं दीपप्रज्वलन निशा शाह द्वारा किया गया।अध्यक्ष स्वाति जैन ने बताया कि कार्यक्रम का संयोजन मैरीगोल्ड लोटस की शिखा बाकलीवाल एवं मैरीगोल्ड स्वरा की शिखा बड़जात्या द्वारा राजस्थानी संस्कृति के आधार पर किया गया ।सभी महिलाएं पारम्परिक राजस्थानी वेशभूषा में आई। सचिव मोना जैन के अनुसार महिलाओं के लिए राजस्थानी नृत्य प्रतियोगिता एवं राजस्थानी रैंप वॉक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,जिसमें अर्चना गुप्ता एवं यामिनी गुप्ता प्रथम रही। प्रतियोगिता का निर्णय राजस्थानी फोक डांसर रुनझुन घोष, नेहा दुनिवाल एव टीना जैन द्वारा किया गया। कोषाध्यक्ष ममता जैन ने बताया कि राजस्थानी म्यूजिकल हाउजी में राजस्थानी गानो पर महिलाओ के कदम रुके ही नही ओर महिलाओ ने राजस्थानी आन बान का शानदार प्रदर्शन किया। अंत में अंजू जैन ने सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये।

!! श्री गणेशाय नमः !! !! श्री श्याम देवाय नमः !! !! श्री हनुमन्ते नमः !!
गौमाता सेवार्थ ग्रुप
प्रथम श्याम बाबा कीर्तन
श्री श्याम रंगीला सेवा संस्था (रजि.)
संगीतकार
राज राठौड़, राहुल खण्डेलवाल, पुनम खण्डेलवाल, विनोद प्रजापत
भजन संध्या रात्रि 8:00 से प्रभुइच्छा तक
दिनांक: शनिवार 22 अप्रैल 2023
स्थान: दुर्गापुरा गौशाला, जयपुर
संयोजक कर्ता अशोक जैन 9314186966
कमल अग्रवाल 9829041375
गोपी अग्रवाल 9829065024
भीमराज काकरवाल 9829012688
हनुमान सोनी 7014863105
समस्त गौमाता सेवार्थ ग्रुप परिवार

वेद ज्ञान

जीवन में संघर्ष का महत्व

संघर्ष जीवन की एक कसौटी है जो अंत में विजय का द्वार खोलती है और समस्या का समाधान करती है। संघर्ष का जीवन जीना है तो भूल को भूलना सीखना होगा। प्रतिशोध के कटु परिणाम ही आते हैं। इसलिए क्षमा सहज-सरल जीवनशैली का मूल मंत्र है। जीवन में परिवर्तन का क्रम चलता रहता है। अगर एक जैसी परिस्थितियां बार-बार हो रही हों तो कभी यह नहीं समझना चाहिए कि अब जीवन में सब कुछ समाप्त हो गया है। मेरे लिए कुछ नहीं बचा है। संघर्षशील व्यक्ति को एक बार पुनः उसी जोश व उत्साह के साथ नए सिरे से प्रयास में जुट जाना चाहिए। प्रयास सफलता की कुंजी होती है। संघर्ष काल में यह बात हमेशा ध्यान में रहनी चाहिए कि व्यक्ति के स्वयं के हाथ में कुछ नहीं है। व्यक्ति पुरुषार्थ कर सकता है, लेकिन परमार्थ का फल समय से पूर्व प्राप्त नहीं कर सकता। कहते हैं कि समय से पहले और मुकद्दर से ज्यादा न किसी को मिला है और न किसी को मिलेगा। उसके लिए इंतजार ही सबसे बड़ा सहयोग है। इस सोच से ही व्यक्ति प्रतिकूलताओं में भी अनुकूलता की सुगंध भर सकता है। जीवन का विकास कर सकता है। सफलता और संघर्ष साथ-साथ चलते हैं। चुनौतियां केवल बुलंदियों को छूने की नहीं होतीं, बल्कि वहां टिके रहने की भी होती हैं। यह ठीक है कि एक काम करते-करते हम उसमें कुशल हो जाते हैं। उसे करना आसान हो जाता है, पर वही करते रह जाना हमें अपने ही बनाई सुविधा के घेरे में कैद कर लेता है। रोम के महान दार्शनिक सेनेका कहते हैं कि कठिन रास्ते भी हमें ऊंचाइयों तक ले जाते हैं। अनिश्चितताएं हमारी शत्रु नहीं हैं। कुछ स्थायी नहीं होना बताता है कि मैं और आप कोई भी जीवन की असीमित संभावनाओं को जान नहीं सकते। कभी आप अनिश्चितताओं की तरफ बढ़ते हैं तो कभी वे आपको ढूंढ़ लेती हैं। यही जीवन है। हर रात के बाद सवेरा आता ही है और यह भी सत्य है कि रात जितनी काली और भयावह होगी, सुबह उतनी ही प्रकाशमान और सुहानी होगी। गर्म हवाओं के चलने से ही जल वाष्प बनकर मेघ बनता है और फिर जीवनदायिनी वर्षा के रूप में बरसता है। जीवन में आए दुख, चिंता, तनाव और समस्या ही मनुष्य को निरंतर कर्मशील रखती है।

संपादकीय

थोक महंगाई दर उनतीस महीनों के निचले स्तर पर...

महंगाई की दर में लगातार कमी दर्ज होने से निस्संदेह लोगों ने राहत की सांस ली है। थोक महंगाई दर उनतीस महीनों के निचले स्तर 1.34 पर पहुंच गई है। हालांकि कुछ खाद्य वस्तुओं की कीमतों में महंगाई अब भी काबू से बाहर नजर आ रही है, मगर खुदरा महंगाई भी रिजर्व बैंक द्वारा तय ऊपरी छह फीसद के स्तर से नीचे उतर कर 5.66 प्रतिशत पर आ गई है। पिछले छह महीनों से थोक महंगाई एक अंक में बनी हुई है, नहीं तो पिछले साल मार्च में यह 14.63 प्रतिशत पर थी। बताया जा रहा है कि थोक महंगाई में यह गिरावट विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में कमी की वजह से आई है। खासकर कपड़ा उत्पादन और धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज हुई है। कीमतों में आई इस कमी की एक वजह ईंधन के दाम में कमी भी बताई जा रही है। पिछले कई महीनों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊपर का रुख किए हुई थीं और युद्ध की वजह से आपूर्ति शृंखला में व्यवधान आने के चलते इन पर काबू

पाना कठिन बना हुआ था। पिछले दिनों पेट्रोल-डीजल और गैस की कीमतों में कमी की गई। स्वाभाविक ही इसका असर वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ा। हालांकि खाद्य वस्तुओं की कीमतों में अपेक्षित कमी न आ पाने की वजह से चिंता अभी समाप्त नहीं हुई है। दरअसल, रिजर्व बैंक खुदरा महंगाई पर ही नजर रखता और उसी के अनुरूप अपनी ब्याज दरों में बदलाव का फैसला करता है। पिछली मौद्रिक नीति में उसने रेपो दरों में कोई बदलाव इसीलिए नहीं किया कि उसे यकीन था कि महंगाई का रुख नीचे की तरफ होगा। उसका अनुमान सही साबित हुआ है। मगर अब भी दूध, फल और सब्जियों के दाम आम लोगों की जेब पर बोझ डाल रहे हैं, तो इस दिशा में सोचने की जरूरत है। गेहूं, मोटे अनाज और धान जैसे अनाज की कीमतें कुछ टूटी हैं, मगर जिस तरह मौसम का मिजाज बदल रहा है और गेहूं की कटाई के समय ही देश भर में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि ने फसलों को चौपट किया, उससे आने वाले दिनों में कीमतों का रुख यही बना रहेगा, कहना मुश्किल है। फिर महंगाई के आंकड़े थोक मूल्य सूचकांक के मुताबिक आंके जाते हैं, जबकि दुकानों पर इसका असर वैसा नहीं देखा जाता। इसलिए भी वास्तविक उपभोक्ता पर इस घटी हुई दर का कितना असर हुआ है, कहना मुश्किल है। हालांकि महंगाई में गिरावट का यह रुख राहत देने वाला है। थोक महंगाई उतर कर डेढ़ फीसद से भी कम पर पहुंच गई, तो इससे जाहिर है कि औद्योगिक उत्पादन में तेजी आ रही है। अभी तक उद्योगों में सुस्ती का आलम था और बाजार में अपेक्षित खपत न हो पाने की वजह से उनमें उत्साह पैदा नहीं हो पा रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में संकुचन देखा जा रहा है। इसलिए निर्यात की दर लगातार घट रही है। यानी भारी उद्योगों को अपना उत्पादन घरेलू बाजार में खपाना पड़ रहा है। इससे भी थोक महंगाई की दर में लगातार कमी देखी जा रही है। हालांकि महंगाई काबू में रहती है, तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का भरोसा बढ़ता है, मगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंदी की छाया घिरी होने की वजह से अगर भारी उद्योगों की उत्पादन दर में तेजी नहीं आ पा रही है, तो महंगाई टूटने के बावजूद अर्थव्यवस्था में मजबूती का दावा करना मुश्किल बना हुआ है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मुफ्त बिजली...

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने में उसकी ओर से बिजली मुफ्त मुहैया कराए जाने के वादे ने बड़ी भूमिका निभाई थी। इस मुद्दे पर पार्टी को जनता के एक बड़े हिस्से का समर्थन मिला था। इस पर काफी हद तक अमल भी हुआ, जिसका फायदा दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों को मिला। हालांकि इस मसले पर अनेक सवाल उठे थे कि मुफ्त बिजली की योजना की वजह से राजस्व पर पड़ने वाले बोझ की भरपाई कैसे होगी लेकिन बीते कई साल से यह नीति लागू रही। अब अलग-अलग कारणों से इस मामले में जिस तरह की खींचतान शुरू हो गई है, उससे जनता के बीच इस सुविधा के जारी रहने को लेकर स्वाभाविक ही आशंका खड़ी हो गई है। दरअसल, हाल ही में दिल्ली सरकार ने दावा किया कि चूंकि उपराज्यपाल ने फाइल पर हस्ताक्षर करके नहीं भेजा, इसलिए उपभोक्ताओं को बिना सबसिडी वाली बिजली नहीं मिलेगी। एक तरह से दिल्ली सरकार की ऊर्जा मंत्री ने उपराज्यपाल पर यहां के छियालीस लाख परिवारों को मिलने वाली बिजली सबसिडी रोकने का आरोप लगाया। जाहिर है, इसके बाद यह मसला राजनीतिक खींचतान और आरोप-प्रत्यारोप में तब्दील हो गया। फाइल रोके जाने की खबर के कुछ समय बाद ही चूंकि उपराज्यपाल की ओर से इसकी मंजूरी मिलने की खबर आ गई थी, इसलिए इस मामले को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा ने एक-दूसरे पर जनता को सुविधाओं से वंचित करने का आरोप लगाया लेकिन अब जिस तरह उपराज्यपाल ने एक पत्र के माध्यम से दिल्ली सरकार के आरोपों को झूठा बताते हुए उसके प्रमाण मांगे हैं और ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है, उससे यही लग रहा है कि इस मसले पर दोनों पक्षों के बीच टकराव फिलहाल खत्म नहीं हुआ है। सवाल है कि सरकार में होने के बावजूद आम आदमी पार्टी के नेता या मंत्री को क्या किसी नीतिगत फैसले की घोषणा, उसकी मंजूरी और उसे लागू करने की प्रक्रिया में लगने वाले समय के बारे में अंदाजा नहीं है! अगर सरकार को ऐसा लगा भी कि बिजली सबसिडी के फैसले पर उपराज्यपाल की मंजूरी में देरी होने के मामले में कोई प्रक्रियागत खामी है, तो क्या इसे सार्वजनिक रूप से राजनीतिक मुद्दा बनाने से पहले स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार नहीं कर लेना चाहिए था? किसी भी व्यवस्था में लोक-लुभावन सरकारी योजनाओं के साथ एक समस्या यह होती है कि उससे किसी पार्टी को आम लोगों का समर्थन तो मिलता है, मगर एक हद के बाद कोई योजना सरकारी कोष के लिए बोझ भी साबित होने लग सकती है। उसके बाद इस बात पर विचार होने लगता है कि नागरिकों को मुफ्त में दी जा रही किसी सेवा का दायरा क्या कुछ कम या सीमित किया जाए! ऐसे में सरकार की ओर से चलाई जा रही किसी योजना के लाभ या मुफ्त सेवा में कटौती होती है तो उसके लाभार्थियों के बीच असंतोष या नाराजगी पैदा होती है। सरकार के लिए यही दुविधा का वक्त होता है कि कोई सेवा मुफ्त मुहैया कराने के जिस भरोसे पर उसने लोगों का समर्थन और वोट हासिल किया था, उसे किस रूप में कायम रखे या बंद कर दे। कायदे से सही यह है कि सत्ता में आने के लिए किसी पार्टी या फिर सरकार को जनता से सिर्फ वही वादा करना चाहिए, जिसे बिना किसी बोझ के पूरा किया जा सके। अगर मुफ्त सेवा या सुविधा से राजस्व पर बोझ बढ़ता है और उसकी भरपाई जनता से किसी अन्य तरीके से की जाती है तो उसे किस तरह देखा जाएगा?

आत्मा का घर मोक्ष है : आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

मुरेना संस्कृत विद्यालय के बच्चों ने लिया गुरुमां से आशीर्वाद

शाबाश इंडिया. मनोज नायक

ग्वालियर। भव-भव में भटकने का कारण भाव है। भव भव की भटकन दूर करने के लिए भाव चाहिए। अनन्तकाल से क्या कर रहे थे? जिसका अपना मकान न हो, वह किराए के मकान में रहता है । जब तक मकान मालिक चाहता है तब तक रहने देता है, समय पूरा होने पर निकाल देता है तो दूसरे मकान में चले जाते हैं । इसी तरह दूसरों के घरों में भटकते रहते हैं और जीवन पूरा हो जाता है । आत्मा भी शरीर रूपी किराए के घर में अनन्तकाल से भटक रही है कभी मनुष्य के शरीर में, कभी चींटी, गधा, घोड़ा, कभी नरक में, कभी देवत्व में भटक रही है। ये घर कभी कम से कम एक खिड़की का, अधिक से अधिक 5 खिड़की बाला है जिससे बाहर की दुनिया को देखा जा सकता है किराए के मकान में रहते रहते ये भी भूल गए हैं कि ये किराए का मकान हैं। हमने इसे अपना ही मान लिया है । किराया चुकाते हुए ये नहीं लगता कि किराया चुका रहे हैं । ये लगता है कि इन्ही के लिए कमाना ही मेरा धर्म है । उक्त विचार जैन साध्वी गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने चम्पाबाग जैन धर्मशाला ग्वालियर में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुऐ व्यक्त किये। पूज्य गुरुमां ने बताया कि जब कोई काम अधिक पुराना हो जाये तो वह काम नहीं लगता । उस काम की हमें आदत सी हो जाती है। वह कार्य जरूरी कामों में सम्मिलित हो जाता है जबकि ऐसा नहीं हैं। आत्मा का घर मोक्ष है। हम मेले में भटके प्राणी जैसे हैं। हमें कोई बताने बाला भी नहीं हैं कि हमें घर का रास्ता भी बता दे। जो अपने घर यानिकि मोक्ष जाने की साधना कर रहे हैं वे ही शास्त्र आदि का स्वाध्याय करके आगे बढ़ रहे हैं । उन्होंने बताया कि ये हमारा घर नहीं हैं, हमारा घर तो मोक्ष है । इसलिए वाहर के घर को छोड़कर निज घर की प्राप्ति के पुरुषार्थ को निकल पड़े हैं और साथ ही हमें बताते है तो हम जान पाये हैं, पर पुराने संस्कार इतने गहरे है कि जानते हुए भी अमल नहीं कर पाते। श्री गोपाल दिगम्बर जैन संस्कृत विद्यालय मुरेना के कार्याध्यक्ष मनोज जैन, मंत्री सुनील भण्डारी, प्राचार्य चक्रेश शास्त्री, जवाहरलाल बरैया, दिनेश जैन एडवोकेट, शुभम शास्त्री जैन छात्रावास के समस्त छात्रों के साथ पूज्य गुरुमां के दर्शनार्थ ग्वालियर पहुचें । माताजी ने छात्रावास में निवासरत सभी बच्चों को मोवाइल के हानि/लाभ से परिचित कराते हुई सभी को शुभाशीष प्रदान किया । इस अवसर पर प्रतिष्ठाचार्य राजेन्द्र जैन शास्त्री (मंगरोनी वाले) विशेष रूप से उपस्थित थे।

Since : 2013

शाबाश इंडिया

पाक्षिक, साप्ताहिक समाचार पत्र एवं दैनिक ई-पेपर

सफलतम 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर

दशक-ए-शाबाश

पल पल दिल के पास

BOLLYWOOD NIGHT

BOLLYWOOD NIGHT!

एक संगीतमय प्रस्तुति

बुधवार, 26 अप्रेल 2023
समय : सायं 7:30 बजे से

स्थान : वर्धमान ऑडिटोरियम
श्री महावीर स्कुल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर

संगीतमय शाम के साथी

श्री संजय रायजादा
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.बी.सी.एल. फेम)

डॉ. गौरव जैन
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.आर. रहमान फेम)

श्रीमती दीपशिखा जैन
गायिका
(सोनी टीवी गुरूकुल फेम)

श्रीमती रतिका जैन
प्रसिद्ध एंकर
(अंताक्षरी फेम)

आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव
माननीय न्यायाधिपति श्रीमान् नरेन्द्र कुमार जी जैन
पूर्व मुख्य न्यायाधीश, सिक्किम हाईकोर्ट

मुख्य अतिथि
श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया
ए. आर. एल. ग्रुप

अध्यक्षता
श्रीमान् उमराव मल जी संघी
अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमती गुणमाला देवी गंगवाल
धर्मपत्नी स्व. श्री मोहनलाल जी गंगवाल (साड़ी घर वाले)

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा
सम्पादक-दैनिक समाचार जगत

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् महेन्द्र जी पाटनी
मंत्री-अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं।

निवेदक :
राकेश – समता गोदिका
राजेश - अंजना गोदिका ✲ दिनेश - मीतू गोदिका ✲ सक्षम - आरूषी गोदिका
राज - एस.के. जैन ✲ रचिता - सिद्धार्थ खूटेटा ✲ अद्धिता खूटेटा
एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

शाबाश इंडिया
स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन

विमोचनकर्त्ता :
श्रीमान् राजीव जी - सीमा जी गाजियाबाद
प्रमुख समाज सेवी

शाबाश इंडिया
राकेश गोदिका, प्रधान सम्पादक
मोबाइल: 9414078380, 9214078380
shabaasindia.com
rakeshgodika@gmail.com
shabaasindia@gmail.com
रजि. कार्यालय : बी-180, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर
सिटी कार्यालय : प्लॉट नं. 8, ओझा जी का बाग, टोंक रोड़, जयपुर

Printed by : VARDHMAN PRINTERS # 9314263204

पृथ्वी दिवस मनायाः पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

''पर्यावरण को स्वच्छ रखना है'' नाटक का मंचन किया

टोंक. शाबाश इंडिया। पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में शुक्रवार को लिटिल फ्लावर पब्लिक स्कूल पुरानी टोंक में पृथ्वी दिवस मनाया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पृथ्वी दिवस प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है किंतु विद्यालय में 21 तारीख को पृथ्वी दिवस मनाया गया । विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती संजू गुर्जर और अन्य अध्यापक गण मीनाक्षी सेन, रीना सोनी, ऐशना जैन ,पिंकी पवार ने बच्चों को पृथ्वी एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने का महत्व समझाया। विद्यालय के छात्रों द्वारा पृथ्वी दिवस पर एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें पृथ्वी को साफ सुथरा रखने एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के विषय पर प्रस्तुति दी गई। नाटक में पियूष सोनी, सायरा अंसारी, जय कृष्णा वर्मा, मयंक, वर्षित एहसास शिवांग माहेश्वरी, संभव सेन यशोदा, आदित्य शर्मा आदि ने भाग लिया। छवि राजावत और ज्योति गुर्जर ने पृथ्वी विषय पर स्पीच दिया। विद्यालय के निदेशक रामेश्वर गुर्जर ने बच्चों को पृथ्वी को प्रदूषण से बचाने के लिए समझाया एवं बच्चों को पेड़ पौधों का महत्व बताते हुए पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए कम से कम वाहनों का उपयोग करने का संदेश दिया। राजेश जैन ने पृथ्वी दिवस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रदूषण के बारे में जागरूकता पैदा करने एवं पर्यावरण को सुरक्षित बनाने का संदेश देते हुए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन द्वारा स्थापित पृथ्वी दिवस पहली बार 1970 में आयोजित किया गया संयुक्त राष्ट्र ने इसे 'अंतरराष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस' नाम दिया।

प्रतिष्ठा शेखावत को एनसीसी, अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में सर्वश्रेष्ठ एएनओ पुरस्कार स्वर्ण पदक मिला

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रतिष्ठा शेखावत पत्नी सूर्यवीर सिंह राठौड़ चितावा ने 19 अप्रैल को एनसीसी, अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) ग्वालियर की पासिंग आउट परेड में 'मेरिट के क्रम में प्रथम' और 'सर्वश्रेष्ठ एएनओ' पुरस्कार के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। उन्हें कुल 12 में से 8 पुरस्कार भी मिले। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह राठौड़ भी उपस्थित थे। गौरतलब है राजस्थान में पहली बार सर्वश्रेष्ठ एएनओ पुरस्कार के लिए स्वर्ण पदक प्रतिष्ठा शेखावत को मिला है ।

जैव विविधता संरक्षण हेतु एकजुट होकर प्रयास करें : के सी बिश्नोई

पक्षियों के लिए परिंडा अभियान का शुभारंभ : मनीष सक्सेना

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड, एनिमल वैल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो, जिला पशु क्रूरता निवारण समिति तथा वर्ल्ड संगठन के संयुक्त तत्वावधान में पृथ्वी दिवस के अवसर पर राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष के सी बिश्नोई, एनिमल वैल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, भारत सरकार के प्रतिनिधि मनीष सक्सेना, आरएलडीबी के सीईओ डॉ एन. एम. सिंह, गोपालन के पूर्व निदेशक डॉ लाल सिंह तथा विश्व धर्म जन चेतना मंच तिरुपति के अध्यक्ष संजय शर्मा ने पृथ्वी दिवस पर विशेष पोस्टर का विमोचन किया तथा गर्मियों में पक्षियों के लिए परिंडे बांध कर परिंडा अभियान का शुभारंभ किया जिसके तहत राज्य भर मे दस हजार परिंडे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री के सी बिश्नोई ने बतलाया कि मनुष्य ने अपने स्वार्थवश पृथ्वी के संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन कर वातावरण को अत्याधिक प्रदुषित कर दिया है जिसके परिणाम स्वरूप पृथ्वी की जैव विविधता पर संकट खड़ा हो गया है। जैव विविधता संरक्षण हेतु प्रत्येक नागरिक को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। इसके लिए अधिक से अधिक संख्या मे पौधारोपण करने एवं जीव जंतुओ तथा पक्षियो की सभी प्रजातियो का संरक्षण करने की अतिशीघ्र आवश्यकता है। पृथ्वी दिवस पर हम संकल्प लें कि जीवनदायिनी धरती को किसी भी रुप में हानि नहीं पहुँचायगे तथा अपने प्राकृतिक संसाधनो, जलस्त्रोतों एवं वनों का संरक्षण करेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com